विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय
नीतू कुमारी ,वर्ग- चतुर्थ,,विषय हिंदी व्याकरण ,दिनांक-20-04-2021. एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चअॅ,

जिन वर्णों के उच्चारण में स्वर वर्ण की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी भा
तैंतीस (33) व्यंजन हैं–

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

हिंदी में कुछ अन्य ध्वनियों का भी प्रयोग किया जाता है। ये हैं–

अनुस्वार (अं)– इसका उच्चारण नाक से किया जाता है और इसका प्रयोग स्वर या व्यंज
ऊपर बिंदु (ं) के रूप में किया जाता है, जैसे– हंस, पंख, चंदा।

विसर्ग (अः)– इसका उच्चारण 'ह' वर्ण के समान होता है और इसका प्रयोग वर्णों के बा
बिंदुओं (:) के रूप में होता है, जैसे– प्रातः, नमः, अतः।

अनुनासिक (अँ)– इसका उच्चारण नाक और कंठ दोनों की सहायता से किया जाता है और इ
प्रयोग चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में किया जाता है, जैसे– उँगली, ऊँट, आँख, गाँव, साँप।

आगत स्वर (ऑ)– इसका उच्चारण आ और ओ के मध्य की ध्वनि के समान होता है और
प्रयोग 'ॉ' के रूप में किया जाता है, जैसे– डॉक्टर, बॉल।

आगत व्यंजन (ज़, फ़)– इनका उच्चारण क्रमशः 'ज' और 'फ' से भिन्न होता है, जैसे–
मज़दूर, साफ़, फ़सल।

विकसित व्यंजन (ड़, ढ़)– इसका उच्चारण क्रमशः 'ड' और 'ढ' से भिन्न हो
जैसे– सड़क, कड़ा, पढ़ाई, बूढ़ा।

संयुक्त व्यंजन

जब दो व्यंजन आपस में मिलकर एक नया रूप बना लेते हैं, तब वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
ज्ञ, श्र– ये चार संयुक्त व्यंजन हैं जो इस प्रकार बने हैं–

दी, गई अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें |